Question

Q1. Match List–I and List–II and select the correct answer from the code given below:/ प्रश्न 1. सूची–I और सूची–II का मिलान कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

List–I (Voyagers) / सूची–I (यात्री)

A. Vasco da Gama – वास्को-द-गामा

B. Christopher Columbus – क्रिस्टोफर कोलंबस

C. Captain Cook – कैप्टन कुक

D. Tasman – टैस्मन

List–II (Countries) / सूची–II (देश)

1. Spain – स्पेन

2. Portugal – पुर्तगाल

3. Holland – हॉलैंड

4. Great Britain – ग्रेट ब्रिटेन

Code / कूट :

(a) 3 2 1 4

(b) 2 1 4 3

(c) 1 4 3 2

(d) 4 3 2 1

I.A.S. Pre – 2000

SOLUTION

Correct Answer / सही उत्तर: (b) 2 1 4 3

- **Vasco da Gama – वास्को-द-गामा: From Portugal, discovered the sea route to India (1498). /** पुर्तगाल से था, जिसने भारत जाने का समुद्री मार्ग (1498) खोजा।
- **Christopher Columbus – क्रिस्टोफर कोलंबस: From Spain, discovered America (1492)./** स्पेन से था, जिसने अमेरिका (1492) की खोज की।
- **Captain Cook – कैप्टन कुक: From Great Britain, explored Australia, New Zealand, and Hawaii./** ग्रेट ब्रिटेन से था, जिसने ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड और हवाई की खोज की।
- **Abel Tasman – ऐबेल टैस्मन: From Holland (Dutch), discovered Tasmania and New Zealand./** हॉलैंड (डच) से था, जिसने तस्मानिया और न्यूज़ीलैंड की खोज की।

Vasco da Gama's First Voyage to India, 1497–99
PORTUGAL
Lisbon
Azores
Mediterranean Sea
Canary Is.
Alexandria
Cairo
Caspian Sea
Hormuz
ARABIA
INDIA
Diu
AFRICA
Cape Verde Is.
Arabian Sea
Goa
Aden
Cannanore
Calicut
Cochin
Elmina
Mogadishu
Malindi
Kilwa
Mozambique
Sofala
St. Helena
INDIAN OCEAN
ATLANTIC OCEAN
Madagascar
0 500 1000 mi
0 800 1600 km
Cape of Good Hope
A COMPTON'S MAP
Vasco da Gama's route

Famous Travellers and Their Discoveries / प्रसिद्ध यात्री और उनकी खोजें

Traveller / Explorer / यात्री	Country / देश	Discovery / Achievement / खोज या उपलब्धि	Year / वर्ष
Vasco da Gama / वास्को-दा-गामा	Portugal PT / पुर्तगाल	• Discovered the **sea route from Europe to India** via Cape of Good Hope; landed at **Calicut (1498)** / यूरोप से भारत तक का **समुद्री मार्ग** खोजा; केप ऑफ गुड होप से होते हुए **कालीकट (1498)** पहुँचे	1498
Christopher Columbus / क्रिस्टोफर कोलंबस	Spain ES / स्पेन	• Discovered **America (New World)** while searching for India / भारत की खोज करते हुए **अमेरिका (नया विश्व)** की खोज की	1492
Ferdinand Magellan / फर्डिनेंड मैगेलन	Portugal PT (sailed for Spain) / पुर्तगाल (स्पेन के लिए यात्रा की)	• First to **circumnavigate the Earth** (proved Earth is round) / पृथ्वी की **परिक्रमा करने वाला पहला व्यक्ति** (सिद्ध किया कि पृथ्वी गोल है)	1519–1522
Bartholomew Diaz / बार्थोलोम्यू डियाज	Portugal PT / पुर्तगाल	• Discovered the **Cape of Good Hope** (southern tip of Africa) / **केप ऑफ गुड होप** (अफ्रीका का दक्षिणी सिरा) की खोज की	1488
Marco Polo / मार्को पोलो	Italy IT / इटली	• Travelled to **China** via the Silk Route; described Asia in The Travels of Marco Polo / रेशम मार्ग के माध्यम से **चीन** की यात्रा की; द ट्रैवेल्स ऑफ मार्को पोलो में एशिया का वर्णन किया	13th Century / 13वीं शताब्दी

QUESTION

Q2. Vasco da Gama, who discovered the sea route from Europe to India, belonged to which nation?

वास्को-दा-गामा, जिसने यूरोप से भारत तक समुद्री मार्ग की खोज की, किस देश से संबंधित था?

SSC CPO 2024

(a) England – इंग्लैंड

(b) Portugal – पुर्तगाल

(c) Spain – स्पेन

(d) Germany – जर्मनी

SOLUTION

Correct Answer: (b) Portugal – पुर्तगाल

- **Vasco da Gama was a Portuguese explorer who discovered the sea route to India in 1498, landing at Calicut (Kozhikode) on the Malabar Coast. This discovery marked the beginning of European maritime trade with India.**
- **वास्को-दा-गामा एक पुर्तगाली खोजकर्ता थे जिन्होंने 1498 में भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज की और मालाबार तट पर कालीकट (कोझिकोड) पहुँचे। इस खोज ने भारत के साथ यूरोपीय समुद्री व्यापार की शुरुआत को चिन्हित किया।**

Vasco da Gama (1460–1524)

- **Nationality:** Portuguese / राष्ट्रीयता: पुर्तगाली
- **Occupation:** Navigator and Explorer / व्यवसाय: नाविक और खोजकर्ता
- **Objective:** To discover a sea route from Europe to India for the spice trade. / उद्देश्य: मसाला व्यापार के लिए यूरोप से भारत तक एक समुद्री मार्ग की खोज करना।
- **First Voyage to India** / भारत की पहली यात्रा: वर्ष: 1498
- **Route: Lisbon → Cape of Good Hope → East Africa → Arabian Sea → Calicut (Kozhikode) on 20 May 1498.**
- मार्ग: लिस्बन → केप ऑफ गुड होप → पूर्वी अफ्रीका → अरब सागर → कालीकट (कोझिकोड) पर 20 मई 1498 को पहुँचे।
- **Ruler of Calicut:** Zamorin (Samudiri). / कालीकट का शासक: ज़मोरिन (समुदिरी)।

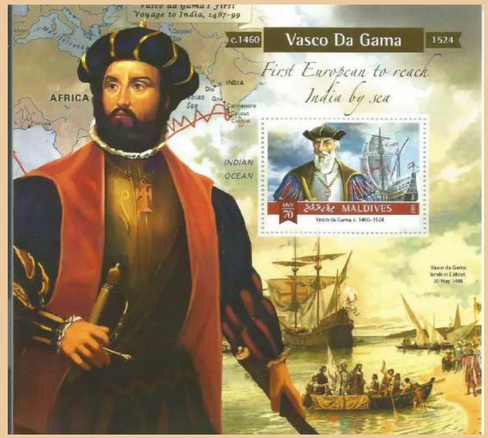

- **Significance of the Voyage / इस यात्रा का महत्व:**
  - Discovered the first direct sea route between Europe and India. / यूरोप और भारत के बीच पहला प्रत्यक्ष समुद्री मार्ग खोजा।
  - Marked the beginning of European maritime trade with India. / भारत के साथ यूरोपीय समुद्री व्यापार की शुरुआत हुई।
  - Led to the establishment of Portuguese colonial power in India. / भारत में पुर्तगाली औपनिवेशिक शक्ति की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ।
- **Second Voyage / दूसरी यात्रा:** Year: 1502
- Returned to India with a fleet of 20 ships to strengthen Portuguese control. / पुर्तगाली नियंत्रण को मजबूत करने के लिए 20 जहाज़ों के बेड़े के साथ भारत लौटे।
- Last Voyage / अंतिम यात्रा: Year: 1524 (appointed as Viceroy of Portuguese India). / वर्ष: 1524 (पुर्तगाली भारत के वायसराय के रूप में नियुक्त हुए)।
- Died: At Cochin (Kochi) in 1524 during this voyage. / मृत्यु: इस यात्रा के दौरान 1524 में कोचीन (कोच्चि) में हुई।

Question

Q3. Who was the real founder of Portuguese power in India?

भारत में पुर्तगाली सत्ता का वास्तविक संस्थापक कौन था?

U.P. Lower Sub. Pre 2003

(a) Vasco da Gama – वास्को-द-गामा

(b) Albuquerque – अल्बुकर्क

(c) Bartholomeu Dias – बार्थोलोम्यू डियाज़

(d) George Oxdone – जॉर्ज ऑक्सडोन

SOLUTION

Correct Answer: (b) Albuquerque – अल्बुकर्क

Important Portuguese Governors & Viceroys in India
भारत में महत्वपूर्ण पुर्तगाली गवर्नर और वायसराय

1. Francisco de Almeida (1505 – 1509)

- First Portuguese Viceroy of India. / भारत के पहले पुर्तगाली वायसराय थे।
- Introduced the "Blue Water Policy" – aimed to make Portugal a naval power in the Indian Ocean. / "ब्लू वाटर पॉलिसी" की शुरुआत की – जिसका उद्देश्य पुर्तगाल को हिंद महासागर में एक नौसैनिक शक्ति बनाना था।
- Strengthened Portuguese naval supremacy against Arabs and Turks. / अरबों और तुर्कों के खिलाफ पुर्तगाल की नौसैनिक श्रेष्ठता को मजबूत किया।
- Died in the Battle of Diu (1509) after defeating combined Muslim–Egyptian forces. / संयुक्त मुस्लिम–मिस्री सेनाओं को हराने के बाद 1509 में दीव की लड़ाई में मारे गए।

2. Afonso de Albuquerque (1509 – 1515)

- Considered the real founder of Portuguese power in India. / भारत में पुर्तगाली शक्ति का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।
- Captured Goa (1510) from the Sultan of Bijapur. / 1510 में बीजापुर के सुल्तान से गोवा पर कब्जा किया।
- Conquered Malacca (1511) and Hormuz (1515) – controlled sea route between India and Persia. / मलक्का (1511) और होरमुज (1515) पर विजय प्राप्त की – भारत और फारस के बीच समुद्री मार्ग पर नियंत्रण किया।
- Encouraged intermarriage with Indians to establish a loyal Eurasian population. / भारतीयों के साथ विवाह को प्रोत्साहित किया ताकि एक वफादार यूरेशियन आबादी बनाई जा सके।
- Made Goa the capital of Portuguese India. / गोवा को पुर्तगाली भारत की राजधानी बनाया।

3. Duarte de Menezes (1522 – 1524)

- Focused on defense of Portuguese settlements in India. / भारत में पुर्तगाली बस्तियों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित किया।
- His administration saw decline due to corruption and misrule. / उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार और कुप्रशासन के कारण पतन हुआ।

4. Vasco da Gama (as Viceroy) (1524)

- Sent again to India as Viceroy to control corruption. / भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिए उन्हें दोबारा भारत वायसराय बनाकर भेजा गया।
- Died soon after reaching Cochin (1524). / कोचीन (1524) पहुँचने के तुरंत बाद उनकी मृत्यु हो गई।

5. Nuno da Cunha (1529 – 1538)

- Captured Diu (1535) from Sultan Bahadur Shah of Gujarat. / 1535 में गुजरात के सुल्तान बहादुर शाह से दीव पर कब्जा किया।
- Strengthened Portuguese presence on the western coast of India. / भारत के पश्चिमी तट पर पुर्तगाली उपस्थिति को मजबूत किया।
- Goa was officially declared the capital of Portuguese India in 1530. / 1530 में गोवा को आधिकारिक रूप से पुर्तगाली भारत की राजधानी घोषित किया गया।

Question

Q4. In which year did the Portuguese capture Goa?

पुर्तगालियों ने किस वर्ष में गोवा पर कब्जा किया था?

SSC CGL 2019

(a) 1510 AD – 1510 ई.

(b) 1540 AD – 1540 ई.

(c) 1610 AD – 1610 ई.

(d) 1475 AD – 1475 ई.

SOLUTION

Correct Answer: (a) 1510 AD

- The Portuguese captured Goa in 1510 AD under Afonso de Albuquerque. Goa became the capital of Portuguese India and remained under their control till 1961. / पुर्तगालियों ने 1510 ईस्वी में अफोंसो डी अल्बुकर्क के नेतृत्व में गोवा पर कब्जा किया। गोवा पुर्तगाली भारत की राजधानी बना और 1961 तक उनके नियंत्रण में रहा।
- Afonso de Albuquerque was the real founder of Portuguese power in India. / अफोंसो डी अल्बुकर्क भारत में पुर्तगाली शक्ति के वास्तविक संस्थापक थे।
- He served as the Second Governor of Portuguese India (1509–1515). / उन्होंने पुर्तगाली भारत के दूसरे गवर्नर (1509–1515) के रूप में कार्य किया।

- Captured important ports like Goa (1510), Malacca (1511), and Hormuz (1515). / गोवा (1510), मलक्का (1511), और होरमुज (1515) जैसे महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर कब्जा किया।

- Encouraged intermarriage between Portuguese and Indians to establish permanent settlements. / स्थायी बस्तियाँ स्थापित करने के लिए पुर्तगालियों और भारतीयों के बीच विवाह को प्रोत्साहित किया।
- His policies converted Portuguese presence from a trading enterprise to a territorial power. / उनकी नीतियों ने पुर्तगालियों की उपस्थिति को व्यापारिक संस्था से क्षेत्रीय शक्ति में बदल दिया।

Question

Q5. Which Indian city was gifted by the Portuguese as dowry to Charles II, the King of England, when he married the sister of the King of Portugal in 1662?

1662 में पुर्तगाल के राजा की बहन से विवाह करने पर इंग्लैंड के राजा चार्ल्स द्वितीय को पुर्तगालियों द्वारा कौन-सा भारतीय शहर दहेज में दिया गया था?

(a) Goa – गोवा

(b) Mumbai – मुंबई

(c) Daman – दमन

(d) Cochin – कोचीन

RRB ALP CBT

SOLUTION

Correct Answer: (b) Mumbai – मुंबई

- **In 1662, the Portuguese gifted Bombay (Mumbai) to King Charles II of England as dowry when he married Catherine of Braganza, the Portuguese princess. Later, Bombay was transferred to the East India Company.**
- **1662 में पुर्तगालियों ने बॉम्बे (मुंबई) को इंग्लैंड के राजा चार्ल्स द्वितीय को दहेज के रूप में दिया, जब उनका विवाह पुर्तगाली राजकुमारी कैथरीन ऑफ ब्रागांजा से हुआ। बाद में बॉम्बे को ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिया गया।**

Portuguese Reign in India (1498–1961)

1. Arrival of the Portuguese/ पुर्तगालियों का आगमन

- Vasco da Gama arrived at Calicut (Kozhikode) on 20 May 1498 during the rule of Zamorin of Calicut. / वास्को-दा-गामा 20 मई 1498 को कालीकट (कोझिकोड) पहुँचे, जब वहाँ के शासक ज़मोरिन थे।
- This marked the beginning of European maritime contact with India. / इससे भारत के साथ यूरोपीय समुद्री संपर्क की शुरुआत हुई।
- The Portuguese aimed to monopolize the spice trade in the Indian Ocean. / पुर्तगालियों का उद्देश्य हिंद महासागर में मसाला व्यापार पर एकाधिकार स्थापित करना था।

Portuguese Reign in India (1498–1961)

2. First Factory (Trading Post) / पहला कारखाना (व्यापारिक केंद्र)

- The first Portuguese factory was established at Calicut in 1500 AD by Pedro Álvares Cabral. / पहला पुर्तगाली कारखाना 1500 ईस्वी में पेड्रो अल्वारेस काब्राल द्वारा कालीकट में स्थापित किया गया।
- Later, factories were set up at Cochin (1501) and Cannanore (1502). / बाद में कोचीन (1501) और कन्ननोर (1502) में भी कारखाने स्थापित किए गए।
- Cochin soon became the early capital and major trade center of Portuguese India. / कोचीन शीघ्र ही पुर्तगाली भारत की प्रारंभिक राजधानी और प्रमुख व्यापारिक केंद्र बन गया।

3. Important Battles / महत्वपूर्ण युद्ध

Battle of Cochin (1503) / कोचीन का युद्ध (1503)

- Fought between the Portuguese and the Zamorin of Calicut. / पुर्तगालियों और कालीकट के ज़मोरिन के बीच लड़ा गया।
- The Portuguese successfully defended Cochin, ensuring their control in Kerala. / पुर्तगालियों ने कोचीन की सफलतापूर्वक रक्षा की और केरल में अपना नियंत्रण सुनिश्चित किया।

Battle of Diu (1509) / दीव का युद्ध (1509)

- Fought between the Portuguese (under Francisco de Almeida) and a combined fleet of Egyptians, Turks, and Gujaratis. / पुर्तगालियों (फ्रांसिस्को डी अल्मेडा के नेतृत्व में) और मिस्र, तुर्क तथा गुजराती सेनाओं के संयुक्त बेड़े के बीच लड़ा गया।
- Portuguese victory → established naval supremacy in the Indian Ocean. / पुर्तगालियों की विजय → हिंद महासागर में नौसैनिक प्रभुत्व स्थापित हुआ।
- Francisco de Almeida became known for his “Blue Water Policy” (focus on sea power). / फ्रांसिस्को डी अल्मेडा अपनी “ब्लू वाटर नीति” (समुद्री शक्ति पर जोर देने वाली नीति) के लिए प्रसिद्ध हुए।

4. Establishment of Political Power / राजनीतिक शक्ति की स्थापना

- Afonso de Albuquerque (1509–1515) – Real founder of Portuguese power in India. / अफोंसो डी अल्बुकर्क (1509–1515) – भारत में पुर्तगाली शक्ति के वास्तविक संस्थापक थे।
- Captured Goa (1510) from the Bijapur Sultan Adil Shah and made it the capital. / 1510 में बीजापुर के सुल्तान अदील शाह से गोवा पर कब्जा कर उसे राजधानी बनाया।
- Captured Malacca (1511) and Hormuz (1515), controlling key Asian trade routes. / मलक्का (1511) और होरमुज (1515) पर कब्जा कर एशिया के प्रमुख व्यापार मार्गों पर नियंत्रण स्थापित किया।
- Promoted intermarriage between Portuguese and Indians to ensure permanent settlement. / पुर्तगालियों और भारतीयों के बीच विवाह को प्रोत्साहित किया ताकि स्थायी बस्तियाँ स्थापित की जा सकें।

Portuguese Reign in India (1498–1961)

5. Major Expansion & Decline / प्रमुख विस्तार और पतन

- Nuno da Cunha captured Diu (1535) → strengthened Gujarat presence. / नुनो दा कुन्हा ने 1535 में दीव पर कब्जा किया → गुजरात में पुर्तगाली उपस्थिति को मजबूत किया।
- Portuguese missionaries like St. Francis Xavier spread Christianity in South India. / सेंट फ्रांसिस जेवियर जैसे पुर्तगाली मिशनरियों ने दक्षिण भारत में ईसाई धर्म का प्रसार किया।
- Gradual decline began after the rise of Dutch (1602), English (1600), and French (1664) powers. / डच (1602), अंग्रेज़ (1600) और फ़्रांसीसी (1664) शक्तियों के उदय के बाद पुर्तगालियों का पतन धीरे-धीरे शुरू हुआ।
- Lost Diu and Daman (17th century) and gradually confined to Goa. / 17वीं शताब्दी में दीव और दमन पर नियंत्रण खो दिया और धीरे-धीरे केवल गोवा तक सीमित रह गए।

Portuguese Reign in India (1498–1961)

6. End of Portuguese Rule / पुर्तगाली शासन का अंत

- **Portuguese continued in Goa, Daman, and Diu even after Indian independence (1947).** / भारत की स्वतंत्रता (1947) के बाद भी पुर्तगालियों ने गोवा, दमन और दीव पर शासन जारी रखा।

- **Indian Army liberated Goa on 19 December 1961 (Operation Vijay).** / भारतीय सेना ने 19 दिसंबर 1961 को "ऑपरेशन विजय" के तहत गोवा को मुक्त कराया।
- **This marked the end of 451 years of Portuguese rule in India.** / इसके साथ ही भारत में 451 वर्षों के पुर्तगाली शासन का अंत हुआ।

Question

Q6. Which foreign power made the Indian pepper trade a royal monopoly?

किस विदेशी शक्ति ने भारतीय काली मिर्च व्यापार को शाही एकाधिकार बना दिया था?

Constable Executive 2023

(a) The Portuguese – पुर्तगाली
(b) The French – फ्रांसीसी
(c) The Dutch – डच
(d) The Spanish – स्पेनी

SOLUTION

✅ Correct Answer: (a) The Portuguese – पुर्तगाली

- The Portuguese, after discovering the sea route to India, controlled the spice and pepper trade and declared it a royal monopoly, restricting trade only to their crown merchants. / पुर्तगालियों ने भारत के लिए समुद्री मार्ग की खोज के बाद मसालों और काली मिर्च के व्यापार पर नियंत्रण स्थापित किया और इसे शाही एकाधिकार घोषित किया, जिससे व्यापार केवल उनके राजकीय व्यापारियों तक सीमित हो गया।

Portuguese & Printing Press / पुर्तगाली और मुद्रण प्रेस

- Introduced printing in India (1556) at Goa. / भारत में मुद्रण की शुरुआत 1556 में गोवा में की।
- First printing press set up by Jesuit missionaries at St. Paul's College, Goa. / पहली मुद्रण मशीन जेसुइट मिशनरियों द्वारा सेंट पॉल कॉलेज, गोवा में स्थापित की गई।
- First printed book: Catechism in Portuguese (1557).
- / पहली मुद्रित पुस्तक: कैटेकिज़्म (Catechism) पुर्तगाली भाषा में (1557)।
- Purpose – to print religious books and spread Christianity. / उद्देश्य – धार्मिक पुस्तकों की छपाई करना और ईसाई धर्म का प्रसार करना।

EUROPE
cloth
linen
metalware
silver
wine
horses
soap
EUROPE
ASIA
Antwerp
Venice
Genoa
Marseilles
PORTUGAL
Lisbon
AZORES 1431
MADEIRA 1419
CANARY IS.
1434
CAPE VERDE IS. 1444
Strait of Gibraltar
Ceuta
Tunis
Tripoli
Alexandria
Cairo
Constantinople
ASIA MINOR
Samarkand
Baghdad
PERSIA
OTTOMAN EMPIRE
Mecca
SAHARA DESERT
INDIA
spices
cotton
precious stones
sugar
CHINA (EAST INDIES)
silks
drugs
perfumes
porcelain
Canton
PACIFIC OCEAN
Goa
Calicut
Malacca
SENEGAMBIA
Senegal R.
Niger R.
Cape Verde
Gambia R.
1460
BENIN
AFRICA
Gulf of Guinea
CONGO
da Gama 1498
EAST AFRICA
gold
ivory
slaves
Mombasa
Zanzibar
WEST AFRICA
gold
slaves
INDIAN OCEAN
INDONESIA (EAST INDIES)
spices
Dias 1487
1480
MADAGASCAR
AUSTRALIA
da Gama 1497
ATLANTIC OCEAN
Cape of Good Hope
Trade routes
Portuguese explorers
1434 Extent of Portuguese exploration
0 1,000 2,000 miles
0 1,000 2,000 kilometers

Portuguese & Spice Trade / पुर्तगाली और मसाला व्यापार

- Main aim – control the Indian spice trade (pepper, cloves, cinnamon, nutmeg). / मुख्य उद्देश्य – भारत के मसाला व्यापार (काली मिर्च, लौंग, दालचीनी, जायफल) पर नियंत्रण पाना।
- Vasco da Gama (1498) opened sea route to India for spices. / वास्को-दा-गामा (1498) ने भारत के लिए मसालों का समुद्री मार्ग खोला।
- Declared spice trade a royal monopoly of Portugal.
- / मसाला व्यापार को पुर्तगाल का शाही एकाधिकार घोषित किया।
- Introduced Cartaz system – ships needed Portuguese pass to trade. / "कार्टाज़ प्रणाली" लागू की – व्यापार करने के लिए जहाज़ों को पुर्तगालियों से अनुमति-पत्र (पास) लेना अनिवार्य था।
- Main ports – Calicut, Cochin, Goa. / मुख्य बंदरगाह – कालीकट, कोचीन, गोवा।
- Lisbon became rich, but monopoly declined in 17th century due to Dutch & English rivalry. / लिस्बन (पुर्तगाल की राजधानी) समृद्ध हो गया, लेकिन 17वीं शताब्दी में डच और अंग्रेज़ प्रतिस्पर्धा के कारण यह एकाधिकार समाप्त हो गया।

Question

Q7. In 1600, the East India Company acquired a charter from which ruler?

1600 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने किस शासक से चार्टर प्राप्त किया था?

SSC CGL 2022

(a) King George I – राजा जॉर्ज प्रथम

(b) Queen Elizabeth I – रानी एलिज़ाबेथ प्रथम

(c) Queen Victoria – रानी विक्टोरिया

(d) King James I – राजा जेम्स प्रथम

Solution

✅ Correct Answer: (b) Queen Elizabeth I

Early Phase of East India Company
ईस्ट इंडिया कंपनी का प्रारंभिक चरण

- **Founded (1600) – by Queen Elizabeth I; granted royal charter for trade with East.** / स्थापना (1600) – रानी एलिज़ाबेथ प्रथम द्वारा; पूर्व के देशों (East) के साथ व्यापार के लिए शाही चार्टर (Royal Charter) प्रदान किया गया।
- **First Voyage (1601) – led by James Lancaster, ship Red Dragon; returned with huge profit.** / पहली यात्रा (1601) – जेम्स लैंकेस्टर के नेतृत्व में, जहाज़ रेड ड्रैगन द्वारा की गई; यह यात्रा भारी लाभ के साथ वापस लौटी।
- **First Englishman in India (1608) – Captain William Hawkins came to Surat in ship Hector; met Jahangir, but failed to get trade rights due to Portuguese opposition.** / भारत में पहला अंग्रेज़ (1608) – कैप्टन विलियम हॉकिंस हेक्टर नामक जहाज़ से सूरत पहुँचे; उन्होंने जहाँगीर से मुलाकात की, लेकिन पुर्तगालियों के विरोध के कारण व्यापारिक अधिकार प्राप्त नहीं कर सके।

Solution

- First Factory (1613) – at Surat, during Jahangir’s reign. / पहला कारखाना (1613) – जहाँगीर के शासनकाल में सूरत में स्थापित किया गया।

- Thomas Roe (1615–1619) – sent by King James I to Jahangir’s court at Ajmer; came by ship Lion; got Farman for trade and factories at Surat, Broach, Agra, Ahmedabad. / थॉमस रो (1615–1619) – राजा जेम्स प्रथम द्वारा अजमेर में जहाँगीर के दरबार में भेजे गए; लायन नामक जहाज़ से आए; उन्होंने सूरत, ब्रॉच, आगरा और अहमदाबाद में व्यापार और फैक्ट्री स्थापित करने के लिए फरमान प्राप्त किया।
- His mission laid the foundation of permanent English trade in India. / उनके मिशन ने भारत में अंग्रेज़ों के स्थायी व्यापार की नींव रखी।

Question

Q8. Which of the following pairs is correct regarding the East India Company army?

निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के संदर्भ में सही है?

I. Sawar – Men on horses / सवार – घोड़े पर सवार सैनिक

II. Musket – A heavy gun used by infantry soldiers / मस्कट – पैदल सैनिकों द्वारा प्रयुक्त भारी बंदूक

SSC CHSL 2022

(a) Only I – केवल I

(b) Only II – केवल II

(c) Both I and II – दोनों I और II

(d) Neither I nor II – न तो I न ही II

Solution

Correct Answer: (c) Both I and II – दोनों I और II

- **In the East India Company's army, "Sawar" referred to cavalry soldiers (horsemen), and "Musket" was a long gun used by infantry soldiers before the invention of rifles.** ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में "सवार" शब्द घुड़सवार सैनिकों (कैवेलरी सोल्जर्स) के लिए प्रयोग किया जाता था, और "मस्केट" एक लंबी बंदूक थी जिसे राइफल के आविष्कार से पहले पैदल सैनिकों द्वारा उपयोग किया जाता था।

East India Company Army

1. Formation / गठन:

- **Organized by the British East India Company after establishing political control in India (from mid-18th century).** / भारत में राजनीतिक नियंत्रण स्थापित करने के बाद (18वीं शताब्दी के मध्य से) ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा इस सेना का गठन किया गया।

2. Composition / संरचना:

- European officers (British commanders). / यूरोपीय अधिकारी (ब्रिटिश कमांडर)।
- Indian soldiers known as sepoys (from Persian sipahi meaning soldier). / भारतीय सैनिकों को "सिपाही" कहा जाता था (फ़ारसी शब्द सिपाही से, जिसका अर्थ है "सैनिक")।

3. Structure: Divided into three Presidency Armies / संरचना: इसे तीन प्रेसीडेंसी सेनाओं में बाँटा गया था –

- Bengal Army (Headquarters: Calcutta) / बंगाल सेना (मुख्यालय: कलकत्ता)
- Madras Army (Headquarters: Madras/Chennai) / मद्रास सेना (मुख्यालय: मद्रास/चेन्नई)
- Bombay Army (Headquarters: Bombay/Mumbai) / बॉम्बे सेना (मुख्यालय: बॉम्बे/मुंबई)

4. Purpose / उद्देश्य:

- Protect Company's factories, territories, and trade routes. / कंपनी की फैक्ट्रियों, क्षेत्रों और व्यापार मार्गों की रक्षा करना।

5. Training & Command / प्रशिक्षण और कमान:

- British officers led; Indians trained in European drill and firearms (musket, rifle). / ब्रिटिश अधिकारी नेतृत्व करते थे; भारतीय सैनिकों को यूरोपीय शैली की अभ्यास प्रणाली और हथियारों (मस्केट, राइफल) में प्रशिक्षित किया जाता था।
- Ranks: Sawar (cavalry), Musketeer, Subedar, Havildar, etc. / पदनाम: सवार (घुड़सवार), मस्केटियर (बंदूकधारी), सूबेदार, हवलदार आदि।

6. Major Battles / प्रमुख युद्ध:

- Played key role in Plassey (1757), Buxar (1764), Mysore, and Maratha wars. / प्लासी (1757), बक्सर (1764), मैसूर और मराठा युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

7. Discontent / असंतोष :

- Unequal pay & discrimination between British and Indian soldiers. / ब्रिटिश और भारतीय सैनिकों के बीच असमान वेतन और भेदभाव।
- Religious and cultural grievances. / धार्मिक और सांस्कृतिक असंतोष।
- Use of greased cartridges (cow/pig fat) led to Revolt of 1857. / चिकनी कारतूसों (गाय/सूअर की चर्बी लगी) के उपयोग से 1857 के विद्रोह की शुरुआत हुई।

8. After 1857 / 1857 के बाद:

- The Company's army was dissolved and merged into the British Indian Army under Crown rule (1858). / 1857 के बाद कंपनी की सेना को भंग कर दिया गया और इसे ब्रिटिश क्राउन के अधीन ब्रिटिश भारतीय सेना में विलय कर दिया गया (1858)।

Question

Q9. With reference to Pondicherry (now Puducherry), consider the following statements:

पांडिचेरी (अब पुडुचेरी) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. The first European power to occupy Pondicherry were the Portuguese. / पांडिचेरी पर अधिकार करने वाली पहली यूरोपीय शक्ति पुर्तगाल थी।

2. The second European power to occupy Pondicherry were the French. / दूसरी यूरोपीय शक्ति फ्रांस थी जिसने पांडिचेरी पर अधिकार किया।

3. The English never occupied Pondicherry. / अंग्रेजों ने कभी पांडिचेरी पर अधिकार नहीं किया।

U.P.P.C.S. Mains 2006

(a) 1 only – केवल 1

(b) 2 and 3 – 2 और 3

(c) 3 only – केवल 3

(d) 1, 2 and 3 – 1, 2 और 3

Solution

Correct Answer: (a) 1 only – केवल 1

- **Portuguese were the first Europeans to occupy Pondicherry (early 16th century).** / पुर्तगाली पहले यूरोपीय थे जिन्होंने 16वीं शताब्दी के प्रारंभ में पांडिचेरी पर कब्जा किया।
- **Dutch was the second European power to occupy Pondicherry.** / डच (हॉलैंडवासी) पांडिचेरी पर कब्जा करने वाली दूसरी यूरोपीय शक्ति थी।
- **The Britishers also occupied Pondicherry in 1793 but handed it over to France in 1814 under the Treaty of Paris.** / ब्रिटिशों ने भी 1793 में पांडिचेरी पर कब्जा किया, लेकिन 1814 में पेरिस की संधि के तहत इसे फ्रांस को वापस सौंप दिया।

The French in India

- French East India Company founded (1664) by Colbert, minister of King Louis XIV. / फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी की स्थापना 1664 में कोलबर्ट द्वारा की गई, जो फ्रांस के राजा लुई चौदहवें (Louis XIV) के मंत्री थे।
- Objective – to compete with Portuguese, Dutch, and English for trade in India. / उद्देश्य – भारत में व्यापार के लिए पुर्तगालियों, डच और अंग्रेज़ों से प्रतिस्पर्धा करना।
- First French factory (1668) at Surat. / पहली फ्रांसीसी फैक्ट्री 1668 में सूरत में स्थापित की गई।
- Later factories at Masulipatnam (1669), Chandannagar (1673), and Pondicherry (1674). / बाद में मसूलिपटनम (1669), चंदननगर (1673), और पांडिचेरी (1674) में भी फैक्ट्रियाँ स्थापित की गईं।

- **Pondicherry became the capital of French settlements in India.** / पांडिचेरी भारत में फ्रांसीसी बस्तियों की राजधानी बन गई।
- **Governors like François Martin and Dupleix strengthened French power.** / फ्रांस्वा मार्टिन और डुप्ले जैसे गवर्नरों ने फ्रांसीसी शक्ति को मजबूत किया।
- **French competed with the British in Carnatic Wars (1746–1763).** / फ्रांसीसियों ने कर्नाटक युद्धों (1746–1763) में ब्रिटिशों से प्रतिस्पर्धा की।
- **Defeat in the Battle of Wandiwash (1760) ended French political ambitions.** / 1760 में वांडीवाश के युद्ध में हार के साथ फ्रांसीसियों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाएँ समाप्त हो गईं।
- **After Treaty of Paris (1763), French retained only trading posts – Pondicherry, Karaikal, Mahe, and Chandannagar.** / 1763 की पेरिस संधि के बाद फ्रांसीसियों के पास केवल कुछ व्यापारिक केंद्र बचे – पांडिचेरी, कराइकल, माहे और चंदननगर।

Question

Q10. Chandannagar was established as a French colony in 1673, obtaining permission from _____, the then Nawab of Bengal. (SSC CGL 2021)

चंदननगर को 1673 में बंगाल के तत्कालीन नवाब _____ से अनुमति लेकर एक फ्रांसीसी उपनिवेश के रूप में स्थापित किया गया था।

1. Mansur Ali Khan – मंसूर अली खान
2. Murshid Quli Khan – मुरशिद कुली खान
3. Ibrahim Khan – इब्राहिम खान
4. Mir Zafar – मीर जाफर

Solution

✅ **Correct Answer: (c) Ibrahim Khan – इब्राहिम खान**

- In 1673, the French obtained permission from Ibrahim Khan, then Subahdar (Nawab) of Bengal, to establish a trading post at Chandannagar on the banks of river Hooghly. / 1673 में फ्रांसीसियों को इब्राहिम खान, जो उस समय बंगाल के सूबेदार (नवाब) थे, से हुगली नदी के किनारे चंदननगर में एक व्यापारिक केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिली।

1. Murshid Quli Khan (1717 – 1727)

- Founder of independent Bengal. / स्वतंत्र बंगाल के संस्थापक।
- Shifted capital from Dacca to Murshidabad. / राजधानी को ढाका से मुरशिदाबाद स्थानांतरित किया।
- Efficient revenue system; loyal but semi-independent under Mughals. / कुशल राजस्व प्रणाली; मुगलों के अधीन रहते हुए भी अर्ध-स्वतंत्र शासन किया।

2. Shuja-ud-Din Muhammad Khan (1727 – 1739)

- Son-in-law of Murshid Quli Khan. / मुरशिद कुली खान के दामाद।
- Period of peace and prosperity in Bengal. / बंगाल में शांति और समृद्धि का काल।

3. Sarfaraz Khan (1739 – 1740)

- Son of Shuja-ud-Din. / शुजा-उद-दीन के पुत्र।
- Killed by Alivardi Khan in battle of Giria (1740). / 1740 में गिरिया के युद्ध में अलीवर्दी खान द्वारा मारे गए।

4. Alivardi Khan (1740 – 1756)

- Ruled efficiently; resisted Maratha raids (Bargi attacks). / कुशलता से शासन किया; मराठों के आक्रमणों (बर्गी हमलों) का सामना किया।
- Patron of arts; grandmother of Siraj-ud-Daulah. / कला के संरक्षक; सिराज-उद-दौला की नानी।

5. Siraj-ud-Daulah (1756 – 1757)

- Last independent Nawab of Bengal. / बंगाल के अंतिम स्वतंत्र नवाब।
- Captured Calcutta (1756); defeated by Robert Clive in Battle of Plassey (1757). / 1756 में कलकत्ता पर कब्जा किया; 1757 में रॉबर्ट क्लाइव से प्लासी के युद्ध में पराजित हुए।
- Ended independent rule of Bengal, beginning of British control. / बंगाल के स्वतंत्र शासन का अंत हुआ और ब्रिटिश नियंत्रण की शुरुआत हुई।

6. Mir Jafar (1757 – 1760, 1763–1765)

- Made Nawab by the British after Plassey. / प्लासी के युद्ध के बाद ब्रिटिशों ने मीर जाफर को नवाब बनाया।
- Became a puppet ruler; later replaced for his disloyalty. / वे एक कठपुतली शासक बन गए; बाद में विश्वासघात के कारण हटा दिए गए।

7. Mir Qasim (1760 – 1764)

- Modernised army; shifted capital to Munger. / सेना का आधुनिकीकरण किया; राजधानी को मुंगेर स्थानांतरित किया।
- Allied with Shuja-ud-Daula & Shah Alam II; defeated in Battle of Buxar (1764). / शुजा-उद-दौला और शाह आलम द्वितीय से गठबंधन किया; 1764 में बक्सर के युद्ध में पराजित हुए।

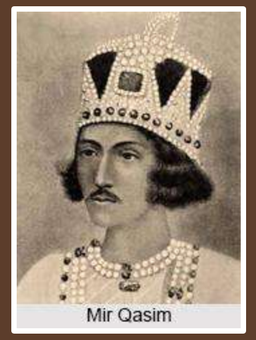
Mir Qasim

8. After 1765

- Diwani (revenue rights) of Bengal, Bihar, and Orissa granted to the East India Company. / बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी (राजस्व अधिकार) ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिए गए।
- Company became actual ruler of Bengal. / कंपनी बंगाल की वास्तविक शासक बन गई।

Question

Q11. The British East India Company captured Pondicherry (Puducherry) from the French in the year _____..

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने पांडिचेरी (पुडुचेरी) पर फ्रांसीसियों से कब कब्जा किया था?

SSC CGL 2021

(a) 1761

(b) 1699

(c) 1674

(d) 1738

SOLUTION

 Correct Answer: (a) 1761 ई.

- During the Seven Years' War (1756–1763), the British captured Pondicherry from the French in 1761. However, it was returned to France under the Treaty of Paris (1763). / सात वर्षों के युद्ध (1756–1763) के दौरान, ब्रिटिशों ने 1761 में फ्रांसीसियों से पांडिचेरी पर कब्जा कर लिया। हालांकि, 1763 की पेरिस संधि के तहत इसे फ्रांस को वापस कर दिया गया।

Anglo–Carnatic Wars (1746–1763)

Background / पृष्ठभूमि:

- Fought between British (East India Company) and French (French East India Company) for political and trade supremacy in South India. / दक्षिण भारत में राजनीतिक और व्यापारिक प्रभुत्व के लिए ब्रिटिश (ईस्ट इंडिया कंपनी) और फ्रांसीसी (फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी) के बीच यह युद्ध लड़ा गया।
- Took place mainly in the Carnatic region (modern Tamil Nadu). / यह युद्ध मुख्य रूप से कर्नाटक क्षेत्र (आधुनिक तमिलनाडु) में हुआ।

First Carnatic War (1746–1748)

- Caused by Anglo–French rivalry in Europe (Austrian War of Succession). / यूरोप में एंग्लो–फ्रेंच प्रतिद्वंद्विता (ऑस्ट्रियन उत्तराधिकार युद्ध) के कारण यह युद्ध हुआ।
- French Governor Dupleix captured Madras (1746). / फ्रांसीसी गवर्नर डुप्ले ने 1746 में मद्रास पर कब्जा किया।
- Ended by Treaty of Aix-la-Chapelle (1748) – Madras returned to British. / एक्स-ला-चैपल की संधि (1748) से युद्ध समाप्त हुआ – मद्रास ब्रिटिशों को वापस मिला।

Second Carnatic War (1749–1754)

- Conflict over succession in Carnatic and Hyderabad. / कर्नाटक और हैदराबाद में उत्तराधिकार के विवाद के कारण यह युद्ध हुआ।
- French supported Chanda Sahib, British supported Muhammad Ali. / फ्रांसीसियों ने चंदा साहिब का समर्थन किया, जबकि ब्रिटिशों ने मुहम्मद अली का।
- Robert Clive's victory at Arcot (1751) made British dominant. / 1751 में आर्कोट में रॉबर्ट क्लाइव की विजय ने ब्रिटिश प्रभुत्व स्थापित किया।
- Ended in British success, weakening French influence. / यह युद्ध ब्रिटिशों की सफलता के साथ समाप्त हुआ, जिससे फ्रांसीसी प्रभाव कमज़ोर हुआ।
- The Treaty of Pondicherry was signed in 1754 to bring an end to the Second Carnatic War (1749–1754). / 1754 में पांडिचेरी की संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे दूसरा कर्नाटक युद्ध समाप्त हुआ।

Third Carnatic War (1756–1763)

- **Part of Seven Years' War (1756–1763) in Europe.** / यह यूरोप में चल रहे सात वर्षों के युद्ध (1756–1763) का हिस्सा था।
- **Battle of Wandiwash (1760): British (Eyre Coote) defeated French (Lally).** / वांडीवाश का युद्ध (1760) – ब्रिटिश सेनापति आयर कूट ने फ्रांसीसी सेनापति लाली को पराजित किया।
- **Ended by Treaty of Paris (1763) – French lost political power, kept only trading posts (Pondicherry, Karaikal, Mahe, Chandannagar).** / पेरिस की संधि (1763) के साथ युद्ध समाप्त हुआ – फ्रांसीसियों की राजनीतिक शक्ति समाप्त हो गई और उनके पास केवल व्यापारिक केंद्र बचे (पांडिचेरी, कराइकल, माहे, चंदननगर)।

Result / परिणाम:

- **British established political supremacy in South India.** / ब्रिटिशों ने दक्षिण भारत में राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित किया।
- **French influence ended, limited to trade only.** / फ्रांसीसी प्रभाव समाप्त हो गया और वे केवल व्यापार तक सीमित रह गए।

QUESTION

Q12.Which feature is not commonly associated with French colonial architecture in India?

SSC CGL 2021

निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता भारत में फ्रांसीसी औपनिवेशिक वास्तुकला से सामान्यतः संबंधित नहीं है?

(a) Wide verandas – चौड़ी बरामदे

(b) Tall doors and windows – ऊँचे दरवाज़े और खिड़कियाँ

(c) Sloped tiled roofs – ढलानदार टाइलों वाली छतें

(d) Ornate Mughal domes – अलंकृत मुगल गुम्बद

Correct Answer: (D) Ornate Mughal domes – अलंकृत मुगल गुम्बद

French Architecture in India (मुख्य बिंदु)

- **Developed mainly in Pondicherry, Chandannagar, Mahe, and Karaikal.** / मुख्य रूप से पांडिचेरी, चंदननगर, माहे और कराइकल में विकसित हुई।
- **Buildings show blend of French and Indian styles.** / इमारतों में फ्रांसीसी और भारतीय स्थापत्य शैलियों का मिश्रण दिखाई देता है।
- **Common features – wide verandas, tall doors & windows, pastel-colored walls, and sloped tiled roofs.** / सामान्य विशेषताएँ – चौड़े बरामदे, ऊँचे दरवाज़े और खिड़कियाँ, हल्के रंगों की दीवारें, तथा ढलानदार टाइलों वाली छतें।
- **Use of arched gates, balconies with iron railings, and central courtyards.** / मेहराबदार द्वारों, लोहे की रेलिंग वाली बालकनियों और केंद्रीय आंगनों का उपयोग किया गया।

Question

Q13. With reference to the causes of the success of the British and failure of the French in India, which of the following statements is/are correct?

भारत में ब्रिटिशों की सफलता और फ्रांसीसियों की विफलता के कारणों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

1. Getting huge wealth and manpower from conquest of Bengal by British./ ब्रिटिशों को बंगाल की विजय से विशाल धन और मानव संसाधन प्राप्त हुआ।

2. Naval superiority of the British./ ब्रिटिशों की नौसेना श्रेष्ठता।

Codes / कूट:

U.P.R.O./A.R.O. Pre 2016

(a) Only 1 – केवल 1

(b) Only 2 – केवल 2

(c) Both 1 and 2 – दोनों 1 और 2

(d) Neither 1 nor 2 – न तो 1 न ही 2

SOLUTION

Correct Answer: (c) Both 1 and 2 – दोनों 1 और 2

- The British conquest of Bengal (1757) gave them huge revenue and army resources. / बंगाल पर ब्रिटिश विजय (1757) ने उन्हें विशाल राजस्व और सैन्य संसाधन प्रदान किए।
- The British Navy was superior, ensuring better sea control and supply. / ब्रिटिश नौसेना श्रेष्ठ थी, जिससे उन्हें समुद्री नियंत्रण और आपूर्ति में बढ़त मिली।
- The French lacked steady financial and military support from home. / फ्रांसीसियों को अपने देश से स्थायी आर्थिक और सैन्य सहायता नहीं मिल सकी।

British vs French in India (Reasons for French Defeat)

1. Naval Power / नौसैनिक शक्ति:

- **British / ब्रिटिश:** Strong navy controlled Indian seas. / मज़बूत नौसेना ने भारतीय समुद्रों पर नियंत्रण रखा।
- **French / फ़्रांसीसी:** Weak naval support from France due to European wars. / यूरोपीय युद्धों के कारण फ्रांस से नौसेना की सहायता कमज़ोर थी।

2. Financial Strength / आर्थिक शक्ति:

- **British / ब्रिटिश:** Richer; backed by private investors and East India Company profits. / अधिक संपन्न; निजी निवेशकों और ईस्ट इंडिया कंपनी के लाभ से समर्थित।
- **French / फ़्रांसीसी:** Depended on state funding, limited and irregular. / सरकारी निधि पर निर्भर, जो सीमित और अनियमित थी।

3. Leadership / नेतृत्व:

- **British / ब्रिटिश:** Had efficient leaders like Robert Clive and Eyre Coote. / रॉबर्ट क्लाइव और एयरे कूट जैसे कुशल नेता थे।
- **French / फ़्रांसीसी:** Dupleix was capable, but later leaders like Lally were arrogant and unpopular. / डुप्लेक्स सक्षम था, लेकिन बाद के नेता जैसे लैली घमंडी और अलोकप्रिय थे।

4. Local Support / स्थानीय समर्थन:

- **British / ब्रिटिश:** Secured alliances with Indian rulers (e.g., Nawab of Arcot, Mir Jafar). / भारतीय शासकों से गठबंधन किए (जैसे अर्काट के नवाब, मीर जाफर)।
- **French / फ़्रांसीसी:** Fewer local allies; lost political trust. / बहुत कम स्थानीय सहयोगी; राजनीतिक विश्वास खो दिया।

5. Organization / संगठन:

- **British / ब्रिटिश:** Better discipline and coordination between army and navy. / सेना और नौसेना के बीच बेहतर अनुशासन और समन्वय था।
- **French / फ़्रांसीसी:** Poor coordination; frequent conflicts between civil and military officers. / समन्वय की कमी; नागरिक और सैन्य अधिकारियों में बार-बार मतभेद।

6. Policy / नीति:

- **British / ब्रिटिश:** Focused on territorial expansion and political control. / क्षेत्रीय विस्तार और राजनीतिक नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित किया।
- **French / फ़्रांसीसी:** Focused mainly on trade, not empire-building. / मुख्यतः व्यापार पर ध्यान दिया, साम्राज्य निर्माण पर नहीं।

7. Outcome / परिणाम:

- **British / ब्रिटिश:** Victory in Battle of Wandiwash (1760). / वांडीवाश के युद्ध (1760) में विजय।
- **French / फ़्रांसीसी:** Treaty of Paris (1763): Lost political power, retained few trading posts. / पेरिस की संधि (1763): राजनीतिक शक्ति खोई, केवल कुछ व्यापारिक केंद्र रखे।

QUESTION

Q14. Which one of the following was the immediate cause of the First Carnatic War?

निम्नलिखित में से कौन-सा प्रथम कर्नाटक युद्ध का तात्कालिक कारण था?

B.P.S.C. Pre 2000

(a) Anglo-French Rivalry – ऐंग्लो-फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्विता

(b) Austrian War of Succession – ऑस्ट्रियन उत्तराधिकार का युद्ध

(c) Issues of Carnatic Succession – कर्नाटक उत्तराधिकार का प्रश्न

(d) Capture of French ships by the British – फ्रांसीसी जहाजों को ब्रिटिशों द्वारा पकड़ना

✅ Correct Answer: (d) Capture of French ships by the British – फ्रांसीसी जहाजों को ब्रिटिशों द्वारा पकड़ना

- The First Carnatic War (1746–48) was an extension of the Austrian War of Succession in Europe. / प्रथम कर्नाटक युद्ध (1746–48) यूरोप में हुए ऑस्ट्रियन उत्तराधिकार युद्ध का विस्तार था।
- It began when the British navy captured French ships near India. / यह तब शुरू हुआ जब ब्रिटिश नौसेना ने भारत के पास फ़्रांसीसी जहाजों को पकड़ लिया।
- The war ended with the Treaty of Aix-la-Chapelle (1748). / यह युद्ध "एक्स-ला-शैपल की संधि" (1748) से समाप्त हुआ।

First Anglo–Carnatic War (1746–1748) / प्रथम आंग्ल–कर्नाटक युद्ध (1746–1748)

1. Fought between British and French East India Companies in South India. / दक्षिण भारत में ब्रिटिश और फ़्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनियों के बीच लड़ा गया।
2. Caused by Austrian War of Succession in Europe. / यूरोप में ऑस्ट्रियन उत्तराधिकार युद्ध के कारण यह संघर्ष हुआ।
3. French Governor Dupleix and Admiral La Bourdonnais captured Madras (1746). / फ़्रांसीसी गवर्नर डुप्लेक्स और एडमिरल ला बॉर्दोनै ने मद्रास (1746) पर कब्जा कर लिया।
4. Nawab Anwar-ud-din of Carnatic defeated at St. Thomé by the French. / कर्नाटक के नवाब अनवरुद्दीन को फ़्रांसीसियों ने सेंट थॉम (St. Thomé) में पराजित किया।
5. Ended by Treaty of Aix-la-Chapelle (1748) – Madras returned to British. / एक्स-ला-शैपल की संधि (1748) से युद्ध समाप्त हुआ – मद्रास ब्रिटिशों को वापस मिला।
6. Result: First open military rivalry between British and French in India. / परिणाम: भारत में ब्रिटिश और फ़्रांसीसियों के बीच पहली खुली सैन्य प्रतिस्पर्धा।

Question

Q15. Assertion–Reason Question

निम्नलिखित कथन और कारण पढ़िए तथा सही विकल्प चुनिए:

Assertion (A): The Treaty of Paris (1763) limited French settlements in India to trading posts only./ दावा (A): 1763 की पेरिस संधि ने भारत में फ्रांसीसी बस्तियों को केवल व्यापारिक केंद्रों तक सीमित कर दिया।

Reason (R): The French could no longer station troops or fortify their factories after the treaty./ कारण (R): संधि के बाद फ्रांसीसी सैनिक नहीं रख सकते थे और न ही अपनी फैक्ट्रियों को किलाबंद कर सकते थे।

SSC Steno 2025

(A) Both (A) and (R) are true, and R is not the correct explanation of A.
दोनों (A) और (R) सत्य हैं, परंतु (R), (A) का सही कारण नहीं है।

(B) Both (A) and (R) are true, and R is the correct explanation of A.
दोनों (A) और (R) सत्य हैं, और (R), (A) का सही कारण है।

(C) A is true, but R is false. – (A) सत्य है पर (R) असत्य है।

(D) A is false, but R is true. – (A) असत्य है पर (R) सत्य है।

SOLUTION

☒ Correct Answer: (B) Both (A) and (R) are true, and R is the correct explanation of A.

Second Carnatic War (1749–1754)
द्वितीय कर्नाटक युद्ध (1749–1754)

- **Cause – Succession disputes in Hyderabad and Carnatic.** / कारण – हैदराबाद और कर्नाटक में उत्तराधिकार को लेकर विवाद।
- **French supported: Chanda Sahib & Muzaffar Jung.** / फ़्रांसीसियों ने चांदा साहिब और मुज़फ़्फर जंग का समर्थन किया।
- **British supported: Muhammad Ali & Nasir Jung.** / ब्रिटिशों ने मुहम्मद अली और नासिर जंग का समर्थन किया।

SOLUTION

- **Robert Clive's victory at Arcot (1751) turned the war in British favour.** / रॉबर्ट क्लाइव की अर्काट (1751) में विजय ने युद्ध का रुख ब्रिटिशों के पक्ष में मोड़ दिया।
- **French Governor Dupleix recalled to France in 1754.** / फ़्रांसीसी गवर्नर डुप्लेक्स को 1754 में फ्रांस वापस बुला लिया गया।
- **Ended by Treaty of Pondicherry (1754) – both sides agreed not to interfere in Indian politics.** / पांडिचेरी की संधि (1754) से युद्ध समाप्त हुआ – दोनों पक्षों ने भारतीय राजनीति में हस्तक्षेप न करने पर सहमति जताई।
- **Result: British gained political influence in South India; French power declined.** / परिणाम: ब्रिटिशों ने दक्षिण भारत में राजनीतिक प्रभाव प्राप्त किया; फ़्रांसीसी शक्ति कमजोर हो गई।

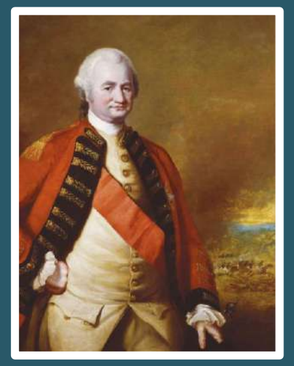

Third Carnatic War (1756–1763)
तृतीय कर्नाटक युद्ध (1756–1763)

- **Part of Seven Years' War (1756–1763) between Britain and France.** / यह ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुए सात वर्ष के युद्ध (1756–1763) का हिस्सा था।
- **Battle of Wandiwash (1760): British (Eyre Coote) defeated French (Count Lally).** / वांडीवाश का युद्ध (1760): ब्रिटिश (एयरे कूट) ने फ़्रांसीसियों (काउंट लैली) को पराजित किया।
- **British captured Pondicherry (1761).** / ब्रिटिशों ने 1761 में पांडिचेरी पर कब्जा कर लिया।
- **Ended by Treaty of Paris (1763) – French lost political control, kept only trading posts (Pondicherry, Karaikal, Mahe, Chandannagar).** / पेरिस की संधि (1763) से युद्ध समाप्त हुआ – फ़्रांसीसियों ने राजनीतिक नियंत्रण खो दिया, केवल कुछ व्यापारिक केंद्र (पांडिचेरी, करैकाल, माहे, चंदननगर) रखे।
- **Result: British became supreme power in India; French rule limited to trade only.** / परिणाम: ब्रिटिश भारत की सर्वोच्च शक्ति बन गए; फ़्रांसीसी शासन केवल व्यापार तक सीमित रह गया।

Question

Q16. Match List–I with List–II and select the correct answer using the code given below the lists:

सूची–I का सूची–II से मिलान कीजिए और दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए:

List–I (Wars)	List–II (Results)
A. First Carnatic War – प्रथम कर्नाटक युद्ध	1. Ended by Treaty of Paris – पेरिस संधि से समाप्त हुआ
B. Third Carnatic War – तृतीय कर्नाटक युद्ध	2. Britishers lost – ब्रिटिश पराजित हुए
C. Second Carnatic War – द्वितीय कर्नाटक युद्ध	3. Inconclusive war – अनिर्णायक युद्ध
D. First Mysore War – प्रथम मैसूर युद्ध	4. Ended by Treaty of Aix-la-Chapelle – एक्स-ला-शैपेल संधि से समाप्त हुआ

U.P.P.C.S. Pre 2016

Code / कूट:

(a) 1 3 4 2

(b) 2 4 1 3

(c) 4 1 3 2

(d) 3 1 4 2

SOLUTION

☒ Correct Answer: (c) 4 1 3 2

War	Years	Main Cause	Main Events / Battles	Treaty / End	Result / Significance
First Carnatic War	1746–1748	Extension of Austrian War of Succession (Europe)	French under La Bourdonnais & Dupleix captured Madras (1746); Nawab Anwar-ud-din defeated at St. Thomé	Treaty of Aix-la-Chapelle (1748)	Madras returned to British; first military rivalry between French & British in India
Second Carnatic War	1749–1754	Succession disputes in Hyderabad & Carnatic	Robert Clive's victory at Arcot (1751); French support Chanda Sahib; British support Muhammad Ali	Treaty of Pondicherry (1754)	British became dominant; French Governor Dupleix recalled; French influence declined
Third Carnatic War	1756–1763	Part of Seven Years' War (Europe)	Battle of Wandiwash (1760) – British (Eyre Coote) defeated French (Count Lally); Capture of Pondicherry (1761)	Treaty of Paris (1763)	End of French political power; retained only trading posts (Pondicherry, Karaikal, Mahe, Chandannagar)

SOLUTION

युद्ध	वर्ष	मुख्य कारण	मुख्य घटनाएँ / युद्ध	संधि / अंत	परिणाम / महत्व
प्रथम कर्नाटक युद्ध	1746–1748	यूरोप में ऑस्ट्रियन उत्तराधिकार युद्ध का विस्तार	ला बोरदोनैस और डुप्लेक्स के नेतृत्व में फ्रांसीसियों ने 1746 में मद्रास पर कब्जा किया; नवाब अनवर-उद-दीन सेंट थॉमे में पराजित हुए	ऐक्स-ला-शैपेल की संधि (1748)	मद्रास ब्रिटिशों को वापस मिला; भारत में फ्रांसीसी और ब्रिटिशों के बीच पहली सैन्य प्रतिस्पर्धा की शुरुआत हुई
द्वितीय कर्नाटक युद्ध	1749–1754	हैदराबाद और कर्नाटक में उत्तराधिकार के विवाद	रॉबर्ट क्लाइव की 1751 में अर्खाट में विजय; फ्रांसीसियों ने चाँद साहब का समर्थन किया; ब्रिटिशों ने मुहम्मद अली का समर्थन किया	पांडिचेरी की संधि (1754)	ब्रिटिश प्रमुख शक्ति बने; फ्रांसीसी गवर्नर डुप्लेक्स को वापस बुला लिया गया; फ्रांसीसी प्रभाव घट गया
तृतीय कर्नाटक युद्ध	1756–1763	यूरोप के सात वर्षों के युद्ध का हिस्सा	वांडीवाश का युद्ध (1760) – ब्रिटिश (एयर कूट) ने फ्रांसीसी (काउंट लैली) को हराया; 1761 में पांडिचेरी पर कब्जा किया गया	पेरिस की संधि (1763)	फ्रांसीसी राजनीतिक शक्ति का अंत; केवल व्यापारिक केंद्र (पांडिचेरी, करैकल, माहे, चंदननगर) बचे रहे

Question

Q17. Which one of the following is the correct chronological order of the battles fought in India in the 18th Century?
निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में 18वीं शताब्दी में लड़े गए युद्धों का सही कालानुक्रमिक क्रम है?

I.A.S. Pre 2005

(a) Battle of Wandiwash – Battle of Buxar – Battle of Ambur – Battle of Plassey/ वान्डीवाश का युद्ध – बक्सर का युद्ध – अम्बूर का युद्ध – प्लासी का युद्ध
(b) Battle of Ambur – Battle of Plassey – Battle of Wandiwash – Battle of Buxar/ अम्बूर का युद्ध – प्लासी का युद्ध – वान्डीवाश का युद्ध – बक्सर का युद्ध
(c) Battle of Wandiwash – Battle of Plassey – Battle of Ambur – Battle of Buxar/ वान्डीवाश का युद्ध – प्लासी का युद्ध – अम्बूर का युद्ध – बक्सर का युद्ध
(d) Battle of Ambur – Battle of Buxar – Battle of Wandiwash – Battle of Plassey/ अम्बूर का युद्ध – बक्सर का युद्ध – वान्डीवाश का युद्ध – प्लासी का युद्ध

✅ Correct Answer: (b) Battle of Ambur – Battle of Plassey – Battle of Wandiwash – Battle of Buxar

1. Battle of Ambur (1749) / अम्बूर का युद्ध (1749)

- Fought between Anwar-ud-din (Nawab of Carnatic) and combined forces of Chanda Sahib & Muzaffar Jung (supported by the French). / यह युद्ध कर्नाटक के नवाब अनवर-उद-दीन और फ्रांसीसी समर्थित चाँद साहब व मुज़फ्फर जंग की संयुक्त सेना के बीच लड़ा गया।
- French victory – Anwar-ud-din was killed. / इसमें फ्रांसीसियों की विजय हुई – अनवर-उद-दीन मारे गए।
- Significance: Start of Second Carnatic War; French influence rose under Dupleix. / महत्व: द्वितीय कर्नाटक युद्ध की शुरुआत हुई; डुप्लेक्स के नेतृत्व में फ्रांसीसी प्रभाव बढ़ा।

2. Battle of Plassey (1757) / प्लासी का युद्ध (1757)

- Fought between Siraj-ud-Daulah (Nawab of Bengal) and British East India Company under Robert Clive. / यह युद्ध बंगाल के नवाब सिराज-उद-दौला और रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुआ।
- Mir Jafar, the Nawab's commander, betrayed Siraj-ud-Daulah. / नवाब के सेनापति मीर जाफर ने सिराज-उद-दौला से विश्वासघात किया।
- British victory – Siraj-ud-Daulah was killed. / ब्रिटिशों की विजय हुई – सिराज-उद-दौला मारे गए।
- Significance: Beginning of British political rule in India; Bengal came under Company control. / महत्व: भारत में ब्रिटिश राजनीतिक शासन की शुरुआत; बंगाल कंपनी के नियंत्रण में आ गया।

3. Battle of Wandiwash (1760) / वांडीवाश का युद्ध (1760)

- Fought between British (Eyre Coote) and French (Count Lally) in the Carnatic region. / यह युद्ध कर्नाटक क्षेत्र में ब्रिटिश (एयर कूट) और फ्रांसीसी (काउंट लैली) के बीच लड़ा गया।

- British victory – French lost their last major stronghold in South India. / ब्रिटिशों की विजय हुई – फ्रांसीसियों ने दक्षिण भारत में अपना अंतिम प्रमुख ठिकाना खो दिया।

- Significance: End of French political ambitions in India; confirmed British dominance. / महत्व: भारत में फ्रांसीसियों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का अंत; ब्रिटिश प्रभुत्व स्थापित हुआ।

4. Battle of Buxar (1764) / बक्सर का युद्ध (1764)

- Fought between British (Hector Munro) and the combined forces of Mir Qasim (Bengal), Shuja-ud-Daula (Awadh), and Mughal Emperor Shah Alam II. / यह युद्ध ब्रिटिश (हेक्टर मुनरो) और मीर कासिम (बंगाल), शुजा-उद-दौला (अवध) तथा मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेना के बीच लड़ा गया।
- British victory. / ब्रिटिशों की विजय हुई।
- Significance: Treaty of Allahabad (1765) – Company received Diwani rights of Bengal, Bihar & Orissa → start of British territorial rule in India. / महत्व: इलाहाबाद की संधि (1765) के अनुसार कंपनी को बंगाल, बिहार और उड़ीसा की दीवानी अधिकार प्राप्त हुए → भारत में ब्रिटिश क्षेत्रीय शासन की शुरुआत हुई।

Question

Q18. The Battle of Plassey (1757) marked the beginning of British rule in India. Which earlier battle marked the decline of the Delhi Sultanate?

प्लासी का युद्ध (1757) भारत में ब्रिटिश शासन की शुरुआत का प्रतीक था। इससे पहले कौन-सा युद्ध दिल्ली सल्तनत के पतन का कारण बना?

02/08/2025 Shift–1

(a) Battle of Panipat (1526) – पानीपत का युद्ध (1526)

(b) Battle of Talikota (1565) – तालिकोट का युद्ध (1565)

(c) Battle of Khanwa (1527) – खानवा का युद्ध (1527)

(d) Battle of Tarain (1192) – तराइन का युद्ध (1192)

SOLUTION

✅ Correct Answer: (a) Battle of Panipat (1526)

Battle of Plassey (1757)

Background / पृष्ठभूमि

- Fought between Siraj-ud-Daulah, the Nawab of Bengal, and the British East India Company under Robert Clive. / यह युद्ध बंगाल के नवाब सिराज-उद-दौला और रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच लड़ा गया।

Causes: / कारण:

- Misuse of trade privileges (dastaks) by British officials. / ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा व्यापारिक विशेषाधिकारों (दस्तक) का दुरुपयोग।
- Fortification of Calcutta by British without Nawab's permission. / ब्रिटिशों द्वारा नवाब की अनुमति के बिना कोलकाता (कलकत्ता) का किलाबंदी करना।

SOLUTION

- Shelter given to Nawab's rival, Krishna Das, by the Company. / कंपनी द्वारा नवाब के प्रतिद्वंदी कृष्ण दास को शरण देना।
- Siraj-ud-Daulah attacked Calcutta (1756) and captured it – the "Black Hole Tragedy" occurred. / सिराज-उद-दौला ने 1756 में कलकत्ता पर आक्रमण कर उसे जीत लिया — इसी दौरान "ब्लैक होल त्रासदी" हुई।

- Robert Clive recaptured Calcutta in early 1757 and prepared to confront the Nawab. / रॉबर्ट क्लाइव ने 1757 की शुरुआत में कलकत्ता पुनः जीत लिया और नवाब से युद्ध की तैयारी की।

SOLUTION

The Battle / युद्ध का विवरण

- Date: 23 June 1757 / तिथि: 23 जून 1757
- Place: Plassey (Palashi) on the banks of the Bhagirathi River, near Murshidabad. / स्थान: प्लासी (पालाशी) – भागीरथी नदी के तट पर, मुर्शिदाबाद के पास।
- British Forces: ≈ 3,000 (mostly Indian sepoys). / ब्रिटिश सेना: लगभग 3,000 (मुख्यतः भारतीय सिपाही)।
- Nawab's Forces: ≈ 50,000 soldiers, 40 cannons, 10 war-elephants. / नवाब की सेना: लगभग 50,000 सैनिक, 40 तोपें, 10 युद्ध हाथी।
- Mir Jafar, the Nawab's commander-in-chief, secretly allied with the British. / नवाब के सेनापति मीर जाफर ने गुप्त रूप से ब्रिटिशों से हाथ मिला लिया था।
- During the battle, Mir Jafar and his men did not fight, leading to Siraj-ud-Daulah's defeat. / युद्ध के दौरान मीर जाफर और उसकी सेना ने युद्ध नहीं किया, जिससे सिराज-उद-दौला की पराजय हुई।

SOLUTION

Result / परिणाम

- British victory under Robert Clive. / रॉबर्ट क्लाइव के नेतृत्व में ब्रिटिशों की विजय हुई।
- Siraj-ud-Daulah was captured and killed; Mir Jafar installed as Nawab. / सिराज-उद-दौला पकड़े गए और मारे गए; मीर जाफर को नवाब बनाया गया।

- The Company received enormous revenue and trading privileges. / कंपनी को विशाल राजस्व और व्यापारिक अधिकार प्राप्त हुए।

Aftermath / Significance / परिणाम / महत्व

- Beginning of British political control in India. / भारत में ब्रिटिश राजनीतिक नियंत्रण की शुरुआत।
- Bengal became the base of British expansion. / बंगाल ब्रिटिश विस्तार का केंद्र बन गया।
- Mir Jafar proved incapable → replaced later by Mir Qasim (1760). / मीर जाफर अयोग्य सिद्ध हुए → 1760 में उन्हें मीर क़ासिम से बदल दिया गया।
- Mir Qasim's conflict with the Company led to the Battle of Buxar (1764). / मीर क़ासिम और कंपनी के बीच संघर्ष से 1764 में बक्सर का युद्ध हुआ।
- The rich resources of Bengal financed British conquests across India. / बंगाल के समृद्ध संसाधनों ने पूरे भारत में ब्रिटिश विजयों को वित्तीय सहायता दी।
- Marked the decline of independent Bengal and rise of British supremacy. / स्वतंत्र बंगाल के पतन और ब्रिटिश प्रभुत्व के उदय की शुरुआत को दर्शाता है।

Question

Q19. Which of the following battles is considered the formal beginning of the British Raj in India?

निम्नलिखित में से कौन-सा युद्ध भारत में ब्रिटिश शासन की औपचारिक शुरुआत माना जाता है?

SSC CGL 2024

(a) First Carnatic War – प्रथम कर्नाटक युद्ध

(b) Battle of Plassey – प्लासी का युद्ध

(c) Battle of Wandiwash – वान्डीवाश का युद्ध

(d) Battle of Buxar – बक्सर का युद्ध

SOLUTION

Correct Answer: (b) Battle of Plassey – प्लासी का युद्ध

- The Battle of Plassey, fought on June 23, 1757, marked the beginning of British rule in India./ 23 जून, 1757 को लड़ी गई प्लासी की लड़ाई ने भारत में ब्रिटिश शासन की शुरुआत को चिह्नित किया।
- It was a decisive victory for the British East India Company over the Nawab of Bengal, Siraj-ud-Daulah./ यह बंगाल के नवाब सिराज-उद-दौला पर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की एक निर्णायक जीत थी।
- which led to the Company's dominance in the region and laid the foundation for British political control over the entire subcontinent./ जिससे इस क्षेत्र में कंपनी का दबदबा कायम हुआ और पूरे उपमहाद्वीप पर ब्रिटिश राजनीतिक नियंत्रण की नींव पड़ी।

Battle of Buxar (1764)

Background / पृष्ठभूमि

- After Battle of Plassey (1757), Mir Jafar became Nawab of Bengal with British support. / प्लासी के युद्ध (1757) के बाद ब्रिटिश समर्थन से मीर जाफर बंगाल के नवाब बने।
- Later replaced by Mir Qasim (1760), who tried to free Bengal from British control. / बाद में 1760 में मीर क़ासिम को नवाब बनाया गया, जिन्होंने बंगाल को ब्रिटिश नियंत्रण से मुक्त करने का प्रयास किया।

Mir Qasim's reforms: / मीर क़ासिम के सुधार:

- ✓ Abolished internal duties (taxes) to promote free trade for all. / सभी के लिए मुक्त व्यापार को बढ़ावा देने हेतु आंतरिक करों को समाप्त किया।
- ✓ Shifted capital from Murshidabad to Munger. / राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित किया।

- Trained army on European lines. / सेना को यूरोपीय शैली में प्रशिक्षित किया।
- Conflict arose when the Company's traders misused dastaks (duty-free passes), harming local traders. / जब कंपनी के व्यापारियों ने दस्तक (कर-मुक्त पास) का दुरुपयोग किया, जिससे स्थानीय व्यापारियों को हानि हुई, तब संघर्ष शुरू हुआ।
- Mir Qasim protested, leading to war; he was defeated and fled to Awadh. / मीर क़ासिम ने विरोध किया, जिसके परिणामस्वरूप युद्ध हुआ; वे हारकर अवध भाग गए।
- Formed alliance with Shuja-ud-Daula (Nawab of Awadh) and Mughal Emperor Shah Alam II to fight the British. / ब्रिटिशों से युद्ध करने के लिए उन्होंने अवध के नवाब शुजा-उद-दौला और मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय से गठबंधन किया।

The Battle / युद्ध का विवरण

- Date: 22 October 1764 / तिथि: 22 अक्टूबर 1764
- Place: Buxar, on the banks of the Ganga River (in present-day Bihar). / स्थान: बक्सर – गंगा नदी के तट पर (वर्तमान बिहार में)।
- British Commander: Major Hector Munro. / ब्रिटिश सेनापति: मेजर हेक्टर मुनरो।
- Allied Forces: Mir Qasim, Shuja-ud-Daula, and Shah Alam II. / संयुक्त सेना: मीर क़ासिम, शुजा-उद-दौला और शाह आलम द्वितीय।
- The British army (7,000) defeated the combined force of 40,000 due to better discipline and artillery. / अनुशासन और तोपखाने की श्रेष्ठता के कारण ब्रिटिश सेना (7,000) ने 40,000 की संयुक्त सेना को पराजित किया।

Result / परिणाम

- Decisive British victory. / निर्णायक ब्रिटिश विजय।
- Mir Qasim fled, Shuja-ud-Daula surrendered, and Shah Alam II accepted British authority. / मीर क़ासिम भाग गए, शुजा-उद-दौला ने आत्मसमर्पण किया और शाह आलम द्वितीय ने ब्रिटिश अधिकार को स्वीकार किया।

Aftermath / Significance / परिणाम / महत्व

- Treaty of Allahabad (1765) signed between Robert Clive, Shah Alam II, and Shuja-ud-Daula. / 1765 में रॉबर्ट क्लाइव, शाह आलम द्वितीय और शुजा-उद-दौला के बीच इलाहाबाद की संधि हुई।
- Shah Alam II granted “Diwani rights” (revenue collection) of Bengal, Bihar, and Orissa to the East India Company. / शाह आलम द्वितीय ने बंगाल, बिहार और उड़ीसा की “दीवानी अधिकार” (राजस्व वसूली का अधिकार) ईस्ट इंडिया कंपनी को सौंप दिए।

- Shuja-ud-Daula paid indemnity and became a British ally. / शुजा-उद-दौला ने क्षतिपूर्ति दी और ब्रिटिश सहयोगी बन गए।

- The Company became sovereign power in Bengal, marking the beginning of British territorial rule in India. / कंपनी बंगाल की सर्वोच्च शक्ति बन गई — भारत में ब्रिटिश क्षेत्रीय शासन की शुरुआत हुई।

- Company's dual government system (1765–1772) started in Bengal — Company collected revenue, Nawab handled administration. / कंपनी का द्वैध शासन प्रणाली (1765–1772) बंगाल में आरंभ हुई — कंपनी राजस्व वसूलती थी जबकि नवाब प्रशासन चलाते थे।

Question

Q20. Which of the following wars took place in the year 1761?

निम्नलिखित में से कौन-सा युद्ध 1761 ई. में हुआ था?

SSC MTS 2024

(a) Battle of Buxar – बक्सर का युद्ध

(b) Battle of Panipat III – तृतीय पानीपत का युद्ध

(c) Battle of Wandiwash – वान्डीवाश का युद्ध

(d) Battle of Panipat II – द्वितीय पानीपत का युद्ध

SOLUTION

Correct Answer: (b) Battle of Panipat III

Third Battle of Panipat (1761) / तीसरा पानीपत का युद्ध (1761)

- Fought between Marathas and Ahmad Shah Abdali (Durrani). / यह युद्ध मराठों और अहमद शाह अब्दाली (दुर्रानी) के बीच लड़ा गया।
- Date: 14 January 1761 | Place: Panipat (Haryana).
- Maratha leader: Sadashiv Rao Bhau with Vishwas Rao and Ibrahim Khan Gardi. / मराठा सेनापति: सदाशिव राव भाऊ, उनके साथ विश्वास राव और इब्राहीम खान गार्दी।
- Afghan allies: Rohillas and Shuja-ud-Daula (Awadh). / अब्दाली के सहयोगी: रोहिल्ला और अवध के शुजा-उद-दौला।

- Cause: Abdali’s invasion after decline of Mughal power; Marathas aimed to stop Afghan expansion. / कारण: मुगल शक्ति के पतन के बाद अब्दाली का भारत पर आक्रमण; मराठों का उद्देश्य अफगान विस्तार को रोकना था।
- Result: Marathas defeated, Sadashiv Rao & Vishwas Rao killed, heavy losses (~50,000 dead). / परिणाम: मराठा पराजित हुए; सदाशिव राव और विश्वास राव मारे गए; लगभग 50,000 सैनिकों की मृत्यु हुई।

Aftermath: / परिणामस्वरूप:

- Abdali withdrew to Afghanistan. / अब्दाली अफगानिस्तान लौट गया।
- Maratha power weakened temporarily. / मराठों की शक्ति अस्थायी रूप से कमजोर हो गई।
- Created power vacuum in North India later filled by British. / उत्तर भारत में शक्ति का शून्य उत्पन्न हुआ, जिसे बाद में ब्रिटिशों ने भर दिया।

Question

Q21. Which of the following is correctly matched?

निम्नलिखित में से कौन-सा सही रूप से मेल खाता है?

U.P.P.C.S. Mains 2014

(a) First Anglo-Mysore War – Hyder Ali was defeated / हायदर अली पराजित हुए

(b) Second Anglo-Mysore War – Hyder Ali defeated the British / हायदर अली ने ब्रिटिशों को हराया

(c) Third Anglo-Mysore War – Tipu Sultan won the battle and did not cede his territory / टीपू सुल्तान ने युद्ध जीता और अपनी भूमि नहीं छोड़ी

(d) Fourth Anglo-Mysore War – Tipu was defeated and killed in battle / टीपू युद्ध में पराजित हुए और मारे गए

SOLUTION

✅ Correct Answer: (d) Fourth Anglo-Mysore War – टीपू युद्ध में पराजित हुए और मारे गए

First Anglo–Mysore War (1767–1769)

- Fought between Haider Ali (Mysore) and the British (Madras Presidency). / यह युद्ध हैदर अली (मैसूर) और ब्रिटिश (मद्रास प्रेसीडेंसी) के बीच लड़ा गया।
- Cause – British tried to stop Haider Ali's expansion in South India. / कारण – ब्रिटिशों ने हैदर अली के दक्षिण भारत में विस्तार को रोकने का प्रयास किया।
- Haider Ali attacked Madras and surrounded the British forces. / हैदर अली ने मद्रास पर आक्रमण किया और ब्रिटिश सेना को घेर लिया।
- Ended by Treaty of Madras (1769) – both agreed to mutual restitution of territories and defensive alliance. / यह युद्ध मद्रास की संधि (1769) से समाप्त हुआ – दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय पुनर्स्थापन और रक्षा-संधि पर सहमति जताई।
- Result: Restored status quo; Haider Ali emerged stronger. / परिणाम: यथास्थिति बहाल हुई; हैदर अली और अधिक शक्तिशाली बनकर उभरे।

Second Anglo–Mysore War (1780–1784)

- Causes – British betrayal (didn't help Haider during Maratha invasion). / कारण – ब्रिटिशों का विश्वासघात (मराठा आक्रमण के समय हैदर की सहायता न करना)।
- Haider formed alliance with Nizam and Marathas against British. / हैदर अली ने ब्रिटिशों के विरुद्ध निज़ाम और मराठों से गठबंधन किया।
- Haider Ali died (1782) – succeeded by Tipu Sultan. / हैदर अली की मृत्यु 1782 में हुई – उनके उत्तराधिकारी टीपू सुल्तान बने।
- War ended by Treaty of Mangalore (1784) – both sides returned captured territories. / युद्ध का अंत मैंगलोर की संधि (1784) से हुआ – दोनों पक्षों ने कब्जे में लिए गए क्षेत्र लौटाए।
- Result: Tipu recognized as a powerful ruler; British prestige reduced. / परिणाम: टीपू सुल्तान एक शक्तिशाली शासक के रूप में उभरे; ब्रिटिश प्रतिष्ठा घट गई।

Third Anglo–Mysore War (1790–1792)

- Cause – Tipu Sultan’s attack on Travancore, a British ally. / कारण – ब्रिटिश सहयोगी त्रावणकोर पर टीपू सुल्तान का आक्रमण।
- British allied with Marathas and Nizam of Hyderabad. / ब्रिटिशों ने मराठों और हैदराबाद के निज़ाम के साथ गठबंधन किया।
- Led by Lord Cornwallis; captured Srirangapatnam. / लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिशों ने श्रीरंगपट्टनम पर कब्जा किया।
- Ended by Treaty of Srirangapatnam (1792) – Tipu ceded half his territory and paid ₹3 crore indemnity. / श्रीरंगपट्टनम की संधि (1792) से युद्ध समाप्त हुआ – टीपू सुल्तान ने अपना आधा राज्य सौंपा और ₹3 करोड़ क्षतिपूर्ति दी।
- Result: Mysore’s power weakened. / परिणाम: मैसूर की शक्ति काफी कमजोर हो गई।

Fourth Anglo–Mysore War (1799)

- Cause – Tipu's alliance with the French alarmed the British. / कारण – फ्रांसीसियों के साथ टीपू सुल्तान का गठबंधन ब्रिटिशों के लिए चिंता का कारण बना।
- British under Lord Wellesley invaded Mysore. / लॉर्ड वेलेजली के नेतृत्व में ब्रिटिशों ने मैसूर पर आक्रमण किया।
- Battle of Srirangapatnam (1799) – Tipu Sultan killed defending his capital. / श्रीरंगपट्टनम का युद्ध (1799) – अपनी राजधानी की रक्षा करते हुए टीपू सुल्तान वीरगति को प्राप्त हुए।

Result: / परिणाम:

- End of Mysore's independence. / मैसूर की स्वतंत्रता का अंत।
- Part of Mysore annexed by the British; remaining given to the Wodeyar dynasty. / मैसूर का कुछ भाग ब्रिटिशों में मिला दिया गया; शेष वोडियार वंश को सौंपा गया।
- British control firmly established in South India. / दक्षिण भारत में ब्रिटिश नियंत्रण पूरी तरह स्थापित हो गया।

Question

Q22. Which of the following best captures the broader geopolitical shift triggered by the decisive defeat of the Nawab of Carnatic's forces in their confrontation with European powers?

नवाब-ए-कर्नाटक की सेनाओं की यूरोपीय शक्तियों से निर्णायक हार के परिणामस्वरूप उत्पन्न व्यापक भू-राजनीतिक परिवर्तन को निम्नलिखित में से कौन-सा विकल्प सर्वश्रेष्ठ रूप से व्यक्त करता है?

SSC Steno 2025

(A) It revealed systemic vulnerabilities in native military structures, prompting European companies to transition from trade to political hegemony./ इसने स्वदेशी सैन्य संरचनाओं की कमजोरियों को उजागर किया और यूरोपीय कंपनियों को व्यापार से राजनीतिक प्रभुत्व की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

(B) It disillusioned European companies, resulting in a strategic withdrawal from inland military affairs./ इससे यूरोपीय कंपनियां निराश हुईं और उन्होंने आंतरिक सैन्य मामलों से दूरी बना ली।

(C) It consolidated indigenous authority, forcing European traders into commercial treaties under local oversight./ इससे स्थानीय शासन सुदृढ़ हुआ और यूरोपीय व्यापारियों को स्थानीय नियंत्रण में वाणिज्यिक संधियों के लिए विवश किया गया।

(D) It established a stable dual-administrative system between Indian principalities and foreign chartered companies./ इससे भारतीय रियासतों और विदेशी चार्टर्ड कंपनियों के बीच एक स्थिर द्वैध प्रशासनिक प्रणाली स्थापित हुई।

SOLUTION

☒ Correct Answer: (A)

- **It revealed systemic vulnerabilities in native military structures, prompting European companies to transition from trade to political hegemony. /** इसने स्वदेशी सैन्य ढाँचों की आंतरिक कमजोरियों को उजागर किया, जिससे यूरोपीय कंपनियों ने व्यापार से आगे बढ़कर राजनीतिक प्रभुत्व की दिशा में कदम बढ़ाया।
- **• The defeat of Nawab of Carnatic (Chanda Sahib) revealed weakness in Indian regional armies. /** कर्नाटक के नवाब (चाँद साहब) की पराजय ने भारतीय क्षेत्रीय सेनाओं की कमजोरी को उजागर किया।
- **It encouraged European powers, especially the British, to pursue territorial and political control. /** इसने यूरोपीय शक्तियों, विशेष रूप से ब्रिटिशों को, क्षेत्रीय और राजनीतिक नियंत्रण स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया।
- **This marked the beginning of company dominance beyond trade — the rise of British political hegemony. /** यह व्यापार से आगे कंपनी प्रभुत्व की शुरुआत थी — ब्रिटिश राजनीतिक वर्चस्व के उदय का प्रतीक बनी।

Question

Q23. In which of the following years was the Treaty of Salbai signed?

निम्नलिखित में से किस वर्ष में सालबाई की संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे?

SSC CGL 2022

(a) 1817

(b) 1800

(c) 1769

(d) 1782

SOLUTION

☒ Correct Answer: (d) 1782 ई.

1. First Anglo–Maratha War (1775 – 1782)

- Cause: British supported Raghunath Rao (Raghoba) in the Peshwa succession dispute after Madhav Rao I's death. / कारण: माधवराव प्रथम की मृत्यु के बाद पेशवा उत्तराधिकार विवाद में ब्रिटिशों ने रघुनाथ राव (रघोबा) का समर्थन किया।
- British (under Governor-General Warren Hastings) signed Treaty of Surat (1775) with Raghoba. / ब्रिटिशों ने (गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के अधीन) रघोबा के साथ 1775 में सुरत की संधि पर हस्ताक्षर किए।
- Marathas under Nana Phadnavis opposed the treaty and fought the British. / नाना फडनवीस के नेतृत्व में मराठों ने इस संधि का विरोध किया और ब्रिटिशों से युद्ध किया।
- War ended by Treaty of Salbai (1782) between British and Madhav Rao II. / युद्ध का अंत ब्रिटिशों और माधवराव द्वितीय के बीच 1782 में हुई सालबाई की संधि से हुआ।
- Result: British recognized Madhav Rao II as Peshwa; 20 years of peace between both powers. / परिणाम: ब्रिटिशों ने माधवराव द्वितीय को पेशवा के रूप में मान्यता दी; दोनों शक्तियों के बीच 20 वर्षों तक शांति रही।

2. Second Anglo–Maratha War (1803 – 1805)

- Cause: Internal conflicts among Maratha chiefs after Peshwa Baji Rao II signed the Treaty of Bassein (1802) with the British. / कारण: पेशवा बाजीराव द्वितीय द्वारा 1802 में ब्रिटिशों के साथ की गई बसैन की संधि के बाद मराठा सरदारों में आपसी संघर्ष।
- Main Maratha leaders: Scindia, Holkar, Bhonsle. / प्रमुख मराठा नेता: शिंदे, होलकर, भोंसले।
- British generals Arthur Wellesley and Lord Lake led successful campaigns. / ब्रिटिश जनरल आर्थर वेलस्ली और लॉर्ड लेक ने सफल अभियानों का नेतृत्व किया।
- Major battles – Assaye, Argaon, Laswari → British victories. / प्रमुख युद्ध – अस्सायी, अरगांव, लसवाड़ी → सभी में ब्रिटिश विजय।
- Result: British gained Orissa, Delhi, parts of Central India; Marathas lost independence. / परिणाम: ब्रिटिशों ने उड़ीसा, दिल्ली और मध्य भारत के कुछ भागों पर अधिकार किया; मराठों ने अपनी स्वतंत्रता खो दी।

3. Third Anglo–Maratha War (1817 – 1818)

- Cause: Peshwa Baji Rao II revolted against British interference. / कारण: पेशवा बाजीराव द्वितीय ने ब्रिटिश हस्तक्षेप के विरुद्ध विद्रोह किया।
- British Governor-General Lord Hastings crushed the revolt. / ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड हेस्टिंग्स ने इस विद्रोह को दबा दिया।
- Battle of Khadki (1817) and Battle of Koregaon – British victories. / खडकी (1817) और कोरेगांव के युद्ध – दोनों में ब्रिटिश विजय।
- Result: Peshwa Baji Rao II surrendered (1818); Maratha Confederacy abolished. / परिणाम: पेशवा बाजीराव द्वितीय ने 1818 में आत्मसमर्पण किया; मराठा महासंघ समाप्त कर दिया गया।
- Significance: Marked the end of Maratha power; British supremacy established in India. / महत्व: मराठा शक्ति का अंत हुआ; भारत में ब्रिटिश प्रभुत्व स्थापित हो गया।

Question

Q24. Where was the Peshwa sent away with a pension after the Third Anglo-Maratha War?

तृतीय आंग्ल-मराठा युद्ध के बाद पेशवा को पेंशन पर कहाँ भेजा गया था?

Constable Executive Exam

(a) Nagpur – नागपुर

(b) Surat – सूरत

(c) Bithur – बिठूर

(d) Poona – पूना

SOLUTION

✅ Correct Answer: (c) Bithur – बिठूर

- After the Third Anglo-Maratha War (1817–1818), Peshwa Baji Rao II was defeated by the British. / तीसरे आंग्ल-मराठा युद्ध (1817–1818) के बाद पेशवा बाजीराव द्वितीय ब्रिटिशों से पराजित हुए।
- He was deposed and granted a pension of ₹8 lakh per annum. / उन्हें पदच्युत कर दिया गया और ₹8 लाख वार्षिक पेंशन दी गई।
- Sent to live at Bithur (near Kanpur), where he spent his last days. / उन्हें कानपुर के पास स्थित बिठूर में रहने भेजा गया, जहाँ उन्होंने अपने अंतिम दिन बिताए।
- His adopted son Nana Sahib later joined the Revolt of 1857. / उनके दत्तक पुत्र नाना साहब ने बाद में 1857 के विद्रोह में भाग लिया।

Question

Q25. Who was the successor of Shahjehan Begum, the ruler of Bhopal, who provided money for the preservation of the ancient site Sanchi?

भोपाल की शासिका शाहजहाँ बेगम के उत्तराधिकारी कौन थे, जिन्होंने साँची के प्राचीन स्थल के संरक्षण के लिए धन प्रदान किया था?

NTPC CBT 2

(a) Chand Bibi – चाँद बीबी

(b) Razia Sultana – रज़िया सुल्ताना

(c) Sultan Jahan Begum - सुल्तान जहाँ बेगम

(d) Wajid Ali Shah – वाजिद अली शाह

SOLUTION

☒ Correct Answer: (c) Sultan Jahan Begum

- Sultan Jehan Begum was the successor of Shahjehan Begum, the ruler of Bhopal, who provided money for the preservation of the ancient site Sanchi./ सुल्तान जहाँ बेगम भोपाल की शासक शाहजहाँ बेगम की उत्तराधिकारी थीं, जिन्होंने प्राचीन स्थल सांची के संरक्षण के लिए धन प्रदान किया था।
- The Bhopal Begums contributed significantly to the Sanchi Stupa's preservation./ भोपाल की बेगमों ने सांची स्तूप के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

Chand Bibi (1550 – 1599)

- Also known as: Chand Sultana — princess of Ahmadnagar Sultanate. / जिन्हें चाँद सुल्ताना के नाम से भी जाना जाता है — अहमदनगर सल्तनत की राजकुमारी।
- Daughter of: Hussain Nizam Shah of Ahmadnagar; niece of Ibrahim Adil Shah of Bijapur.

- Married to Ali Adil Shah I of Bijapur – hence had ties with two Deccan Sultanates. / बीजापुर के अली आदिल शाह प्रथम से विवाह किया — इस प्रकार दो दक्कनी सल्तनतों से संबंध था।
- Became regent of Ahmadnagar (1595–1599) after her nephew Bahadur Shah's death. / अपने भतीजे बहादुर शाह की मृत्यु के बाद (1595–1599) अहमदनगर की संरक्षिका (रिजेंट) बनीं।
- Fought bravely against Mughal forces under Prince Murad and Daniyal, sent by Akbar. / अकबर द्वारा भेजे गए राजकुमार मुराद और दानियाल की मुगल सेनाओं के विरुद्ध बहादुरी से लड़ीं।
- Defended the Ahmadnagar Fort (1595–1596) heroically — symbol of resistance against Mughal expansion. / अहमदनगर किला (1595–1596) वीरता से बचाया — यह मुगल विस्तार के विरुद्ध प्रतिरोध का प्रतीक बना।
- Later betrayed and killed (1599) by her own troops who suspected her of negotiating with Mughals. / बाद में (1599) अपने ही सैनिकों द्वारा विश्वासघात कर मार दी गईं, जिन्होंने उन पर मुगलों से समझौता करने का संदेह किया।
- Remembered as a valiant female ruler and warrior of medieval Deccan India. / मध्यकालीन दक्कन भारत की एक साहसी महिला शासक और योद्धा के रूप में याद की जाती हैं।

Thank You